Vayudoot service in Andhra Pradesh

1214. SHRI MENTAY PADMANABHAM: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Vayudoot service in Andhra Pradesh is very unreliable;

(b) the rate of punctuality of Vayudoot flights in Andhra Pradesh during 1989 and so far in 1990;

(c) whether it is a fact that there is never a back-up flight when regular Vayudoot flights are cancelled; and

(d) what steps are proposed to be taken to improve these services in the State?

THE MINISTER OF ENERGY WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI ARIF MOHD. KHAN): (a) and (b) The despatch reliability of Vayudoot flights in Andhra Pradesh during the last six months has been more than 95 per cent. Before this, services to some sectors were affected due to loss of an aircraft in an accident.

(c) Aircraft capacity available with Vayudoot is fully committed on operation of scheduled services and does not offer any scope for providing cushion in the schedule due to temporary loss of aircraft.

(d) Vayudoot has plans to induct additional aircraft in its fleet but due to paucity of funds it is unable to do so for the present.

गैर-सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों के लेखाओं की लेखापरीक्षा

1215. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गैर-सरकारी कम्पनियों के लेखाओं की लेखापरीक्षा केवल चार्टर्टिड लेखापालों द्वारा ही की जाती है और उनके द्वारा की गई लेखापरीक्षा ही अंतिम होती है ;

(ख) क्या सरकार काले धन के मूल स्रोत के बन्द करने के लिये इन कम्पनियों के लेखाओं की लेखापरीक्षा कराने के लिये सरकारी लेखापरीक्षकों की नियुक्ति किये जाने हेतु कदम उठाने का विचार रखती है ; और

(ग) यदि हां, तो इस प्रस्ताव को कब तक क्रियान्वित कर दिये जाने की संभावना है ?

उद्योग मंत्री (श्री अजीत सिंह) : (क) जी, हां ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

1216. [*Transferred for 25th May, 1990*]

महाराष्ट्र के लिये मिट्टी के तेल का कोटा

1217. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल** : क्या **पेट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1988–89 और 1989–90 के वर्षों के दौरान वर्षवार महाराष्ट्र को मिट्टी के तेल का कितनी मात्रा में आबंटन किया गया है ;

(ख) क्या उक्त कोटा महाराष्ट्र सरकार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये पर्याप्त है ;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार इस राज्य को और अधिक मात्रा में मिट्टी के तेल की आपूर्ति करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?